इस अंक में...

रंगों में रामायण... 05

ईश्वर का वरदान है सुर... 08

ध्वजा चिह्न अर्चन... 12

लोकसंगीत ही जननी है शास्त्रीय संगीत की... 14

विदर्भ का उत्सव भुलाबाई... 17

ध्वनि भेद करता है 'काकु'... 18

फिर लौटे मिट्टी के बरतन... 20

भंवरा बड़ा नादान है... 24

27 कमाल के हैं कथोड़ियों के वाद्य यंत्र... 27

28 जयपुर की गोठ परम्परा...

30 निजता खो चुका हिंदुस्तानी सिने संगीत अब स्मृतियों में नहीं दर्ज होता...

32 भारतीय संगीत में अध्यात्म एवं योग की महत्ता...

35 चौदह वर्ष के वनवास के दौरान श्रीराम कहां-कहां रहे?...

39 बिन बोले सब कह दे गुड़िया...

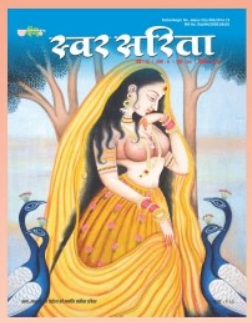

प्रधान सम्पादक: **के.सी. मालू**

सम्पादक : **डॉ. देवदत्त शर्मा**

प्रबंध सम्पादक : **हेमजीत मालू**

स्वर सरिता में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, आवश्यक नहीं कि सम्पादक मण्डल उनसे सहमत हो।

सम्पर्क सूत्र

सम्पादक, स्वर सरिता, वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003

फोन : 2570517, 2572666

website

http://www.veenaswarsarita.com

mail

veenaprakashan@gmail.com

स्वत्त्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी के.सी. मालू (केशरीचन्द मालू) द्वारा दी डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, 9, एम.एस.बी. का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर से मुद्रित तथा वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 से प्रकाशित।